



*Tibetan Buddhist Resource Center*

**Text Scan Input Form - Title Page**

|              |         |                    |         |
|--------------|---------|--------------------|---------|
| <b>Work:</b> | W3CN707 | <b>ImageGroup:</b> | I3CN709 |
| <b>LCCN:</b> | n/a     | <b>ISBN:</b>       | n/a     |

|                              |                                                                                                                              |
|------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>Title:</b>                | དཔག་བསམ་དབང་པོའི་རྣམ་ཐར།<br>dpag bsam dbang po'i rnam thar/                                                                  |
| <b>Author:</b>               | ཀུན་དགའ་ལྷུན་གྲུབ།<br>kun dga' lhun grub                                                                                     |
| <b>Descriptor:</b>           | n/a                                                                                                                          |
| <b>Original Publication:</b> | n/a;n/a                                                                                                                      |
| <b>Place:</b>                | [s.l.]                                                                                                                       |
| <b>Publisher:</b>            | [s.n.]                                                                                                                       |
| <b>Date:</b>                 | [n.d.]                                                                                                                       |
| <b>Volume:</b>               | 1                                                                                                                            |
| <b>Total Volumes:</b>        | 1                                                                                                                            |
| <b>TBRC Pages:</b>           | 2                                                                                                                            |
| <b>Introductory Pages:</b>   | n/a                                                                                                                          |
| <b>Text Pages:</b>           | n/a                                                                                                                          |
| <b>Scanning Information:</b> | Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor,<br>Cambridge, Mass. 02138. Comments: 12/2014 |



पुस्तक

श्रीगुरुभक्त्युद्भवप्रसादविशेषात्  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥





Missing page3

[illegible]

[illegible]

Missing page6

[illegible]

Missing page8





[illegible]

[illegible]



ॐ! शिवसठवत्त्रिंशत्पुत्रे । शिवसठवत्त्रिंशत्पुत्रे । पुत्रसंख्याद्विषयः ।

[illegible]

॥ अष्टाष्टकं ॥ विष्णवे

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

མཚན་ལྟེ་རམ་ཆེད་པ་མ་འདོད་པའི་འཕྲུལ་ཕྱུག་ཏུ་འཕྱེད་པ་ལོ།

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ཅིག་ཅན་སྒྲོན་ལོང་དྲུག་རྩེ་ལས། །བྱིས་པ་ཕྱིར་སྤྲོས་སོ།

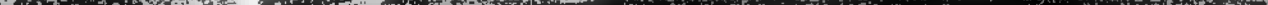
॥ सुन्दरवठस्य विरहव्याहृतस्य ॥

|| གཏུགས་ཅན་པོ་དེ་ཡི་པར་པར་

[illegible][illegible][illegible][illegible]

॥ वाक्पुत्रं दत्तं पुण्यं हरेके वृषभे ॥  
स्वर्गं कुरुते यथा सुखं प्रददाति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]



[illegible]



[illegible]

te



[illegible]











21

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

22



[illegible]

[illegible]



[illegible]

26

[illegible]



ॐ । भूतनाथं नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुनः। विषयेषां वासां च यथा सुखा॥

ཡམ་ལྟར་བྱས་པ་ཡིན་པ་ ཅི་པ་པར་ཞེས་གྱེས་པ་ཞེས་པ་ ར་

अथर्ववेद । अथर्ववेदस्य पुनश्चाह्वयः प्रोक्तः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥२५८॥ १६३ पदे पदे सपि गतु । नृस्य ठग रंग रे कु प म क व । मुद । ठय थ य स सु य । नर पर पु र क स सु वि र गु म ष ह प्र वि वि । कु प व क र प्र रि उ वि के य ठ व सु य । २६४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

...  
 ...  
 ...

[illegible]





121

溫

[illegible]



[illegible]

[illegible]

195

[illegible]





[illegible]



[illegible]

[illegible]





*[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]*



[illegible]







[illegible]









[illegible]

[illegible]



51

[illegible]

24

[illegible]



46

[illegible]

[illegible]





[illegible]







शुद्ध

[illegible]

*[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]*

[illegible]



[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]



[illegible]





[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]









*[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]*





[illegible]







[illegible]



*[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]*

[illegible]



21

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]







[illegible]



22

[illegible]





[illegible]

[illegible]

102



[illegible]

[illegible]















[illegible]

1128









[illegible]



[illegible]

221

विदुः । प्रणमः । अथैवमेतन्मयाप्युक्तम् । ननु हि दुष्टा यस्तान् विदुः ।

[illegible]







[illegible]

[illegible]

[illegible]







[illegible]

127







[illegible]





251

[illegible]

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

*(Faint handwritten Devanagari script)*

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

ཡུལ་ལྔ་པ་ལ་འཇམ་མེད་ཀྱི་འཕྲུལ་ལྔ་པ་ལྟར་བཞུགས་ཏེ་བྱེད་ཀྱི་ཡོད། རེ་འཇོན་ལ།

॥ गणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु अष्टाध्याय्ये अष्टोत्तशतिकाध्यायः ॥

*[Faint handwritten text at the bottom of the page]*

[illegible]

पञ्चदशसुखम् । दशसुखम् । पञ्चसुखम् । त्रिसुखम् । द्विसुखम् । असुखम् ।

समस्तैर्दत्तैर्वायं गणयन्तार विद्वच्छतृश्रुतद्वयम् । दत्तयन्तु गच्छन्तु

*[Faint handwritten text at the bottom of the page]*

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुखं ह्यसौ कुरुष्व ॥

परः नैव स्पष्टं गच्छति विमलः प्रकाशः स्यात्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

১৯৩০ সালের ১০/১১/৩০ তারিখে  
 ১৯৩০ সালের ১০/১১/৩০ তারিখে

[illegible]

रविः शुक्रः बृहस्पतिः शनिः रश्मिः सप्तर्षिः ।  
शुक्रः बृहस्पतिः शनिः रश्मिः सप्तर्षिः ।

1. RESEARCH

11/11/11

[illegible]

133





[illegible]











*[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]*

[illegible]

[illegible]

143

कवि

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ २ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ३ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ४ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ५ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ६ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ७ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ८ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ ९ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । एतन्मन्त्रं पठन् पुरुषं शान्तं कुरुष्व ॥ १० ॥



[illegible]



[illegible]

[illegible]

458













*[The following text is extremely faded and illegible due to severe fading and bleed-through from the reverse side of the page.]*





[illegible]

[illegible]















[illegible]





[illegible]





